जंक्शन से जुड़ेंगे नालंदा, गया, भोजपुर व दक्षिणी पट

राज्य ब्यूरो, पटना : राजधानी को नालंदा, गया, भोजपुर व दक्षिणी पटना के सुदूर इलाके से जल्द ही एक नई कनेक्टिविटी मिलेगी। मीठापुर फ्लाईओवर से महुली होते हुए नौ किमी लंबे एलिवेटेड सड़क के एलायनमेंट पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समक्ष मंगलवार को एक प्रेजेंटेशन हुआ। प्रेजेंटेशन में एलायनमेंट पर सहमति बनी। इस प्रोजेक्ट की लागत एक हजार करोड़ रुपए है। इसका डीपीआर तैयार किया जा रहा है।

. पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव अमृत लाल मीणा ने मुख्यमंत्री के समक्ष इस एलिवेटेड रोड के प्रोजेक्ट पर प्रेजेंटेशन दिया। इस प्रोजेक्ट की खासियत यह है कि यह बिल्कुल ही नए एलायनमेंट पर है। मीठापुर से मीठापुर बिजली कंपनी के पुराने परिसर की ओर बढ़ने पर भी जमीन उपलब्ध है। मुख्यमंत्री के परामर्श पर बिहटा-सरमेरा सड़क को बिहटा एयरपोर्ट से जोड़ने का भी सुझाव है।

ये है योजना

मीठापुर फ्लाईओवर से एलिवेटेड सड़क मीठापुर फार्म के एक हिस्से से गुजरेगी, यहां साठ से अस्सी मीटर जगह उपलब्ध है। मीठापुर फार्म होते हुए एलिवेटेड सड़क एनएच-30 पर पहुंचेगी। वहां इसके दो आर्म पूरब और पश्चिम में गिरेंगे। एनएच-30 से यह पटना-गया डोभी एनएच 83 स्थित महुली में गिरेगा। इसके बाद यहां से आगे बढ़ने पर इसे बिहटा-सरमेरा सड़क की कनेक्टिवटी मिल जाएगी। यह पूर्णत: नई सड़क होगी।

इस प्रोजेक्ट का फायदा

इस प्रोजेक्ट का फायदा यह होगा कि पटना के दक्षिणी हिस्से यानी पुनपुन, मसौढ़ी, जहानाबाद या फिर गया से जिस ट्रैफिक को पटना जंक्शन की ओर आना होगा वह निर्बाध बगैर किसी जाम के पहुंचेगा। बिहटा-सरमेरा सड़क के रास्ते नालंदा, नवादा या फिर उधर के किसी अन्य हिस्से व भोजपुर से आने वाले ट्रैफिक को भी पटना जंक्शन पहुंचने की सीधे कनेक्टिवटी मिलेगी। बिहटा-सरमेरा सड़क को पटना रिंग रोड से भी जोड़ा जा रहा। इसलिए इससे उत्तर बिहार की ओर बढ़ने में भी सहूलियत होगी।

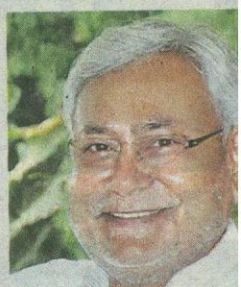

मुख्यमंत्री सेतु पर भी प्रेजेंटे

मुख्यमंत्री के समक्ष मुख्यमंत्री सेतु में भी प्रेजेंटेशन हुआ। तय हुआ कि जगहों पर इस योजना के तहत पुल निर्माण किया जाएगा उसका आक जिले के प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता गठित जिला संचालन समिति द्वारा जाएगा। इसके बाद बिहार राज्य पु निर्माण निगम द्वारा फिजिबिलिटी तैयार की जाएगी।

मीठापुर फ्लाईओवर